

राजस्थान के 12,386 गांव, मध्य प्रदेश के 11,894 गांव, असम के 8,931 गांव, महाराष्ट्र के 6,441 गांव, छत्तीसगढ़ के 5,043 गांव, गुजरात के 4,144 गांव, उड़ीसा के 4,899 गांव, उत्तरांचल के 3,881 गांव, उत्तर-पूर्व के 3,678 गांव, आंध्र प्रदेश के 1,074 गांव, हिमाचल प्रदेश के 1,002 गांव, जम्मू-कश्मीर के 1,755 गांव तथा झारखंड के 1,694 गांव ऐसे हैं जहां पर टेलीफोन सुविधा नहीं है।

अतः मेरा सरकार से अनुरोध है कि देश के जिन ग्रामीण क्षेत्रों, दूर-दराज व पहाड़ी क्षेत्रों में टेलीफोन की सुविधा नहीं है, वहां पर शीघ्रतापूर्वक टेलीफोन की सुविधा पहुंचाने के संबंध में एक समयबद्ध योजना बनाई जाए और उसे तुरंत कार्यान्वित किया जाए। धन्यवाद।

श्री रुद्रनारायण पणि (उड़ीसा): उपसभापति महोदय, मैं अपने को इस स्पेशल मेशन के साथ सम्बद्ध करता हूँ।

Request to Discontinue the Practice of Collecting Super-Charge from Railway Pass Holders Travelling from Nagpur to Akola in Maharashtra

श्री दत्ता मेघे (महाराष्ट्र): उपसभापति महोदय, रेलवे में रोज़ यात्रा करने वाले पास होल्डर्स से प्रतियात्रा 10/- रुपए सुपरचार्ज लिया जाता है। इन पास होल्डर्स को महीने में 250/- रुपए मासिक पास के और 600/- रुपए सुपरचार्ज के देने पड़ते हैं, यानी उनको एक महीने में 850/- रुपए देने पड़ते हैं। अकोला से नागपुर और नागपुर से अकोला तक 5,000 पास होल्डर्स प्रतिदिन रेल से यात्रा करते हैं और रेलवे केवल इस सैक्टर से ही एक लाख रुपया रोजाना इकट्ठा कर रही है। इन पास होल्डर्स को सुपरचार्ज के लिए घंटों लाइन में लगना पड़ता है और उनकी ट्रेन तक छूट जाती है। जिनके पास सुपरचार्ज का टिकट नहीं होता है, उन्हें बगैर टिकट माना जाता है। इन पास होल्डर्स को, जिनमें लड़के, लड़कियां, विद्यार्थी आदि शामिल हैं, उन्हें बड़ी परेशानी और कठिनाई हो रही है।

मेरा रेल मंत्री जी से अनुरोध है कि सुपरचार्ज की वसूली की इस प्रथा को वे तुरंत समाप्त करें और यदि उनके विचार में पास की दर कम है, तो पास की दर थोड़ी बढ़ा दी जाए, ताकि पास होल्डर्स को रोज़-रोज़ परेशानी न उठानी पड़े। धन्यवाद।

Death of Children due to Malnutrition and under Nutrition Tribal Areas of Maharashtra

SHRIMATI HEMA MALINI (Nominated): Sir, in Maharashtra, 8,291 children died during 2003-04 because of malnutrition and under nutrition of mothers and children below six years. In about fifteen districts of

Maharashtra, tribal population is estimated at 67,00,000. Out of which, nearly 8,25,000 are children below six years of age. These children suffer from various diseases and don't have sufficient food security and safe drinking water. Inhuman sanitary conditions, lack of nutritive food, dilapidated residential buildings and ghastly slums have worsened the situation.

Claims are made by the Department of Women and Child Development that they are providing supplementary nutrition, immunisation, health check up and referral services to children and pregnant and lactating mothers. However, these services are extremely inadequate and inefficient.

The morbidity and mortality has not reduced. Infant mortality rate is as high as 45 to 1000 lives.

Nearly a year back, newspapers brought out that more than 9,000 children in tribal belt of Maharashtra died because of low birth weight, jaundice, convulsions and dehydration. I urge the concerned Ministry to look into this grave problem of tribal areas of Maharashtra.

If need be, a special package for children and mothers of these fifteen districts should be announced to enable them come out of the worst living conditions, health hazards, malnutrition and under-nutrition of our tribal brethren to preserve their precious human lives and human dignity.

SHRIMATI VANGA GEETHA (Andhra Pradesh): Sir, I associate myself with the Special Mention.

SHRIMATI JAYA BACHCHAN (Uttar Pradesh): Sir, I too associate myself with the Special Mention.

SHRI LALITBHAI MEHTA (Gujarat): Sir, I too associate myself with the Special Mention.

श्रीमती माया सिंह (मध्य प्रदेश): मैं भी अपने आपको इससे संबद्ध करती हूँ।

श्री दत्ता मेघे (महाराष्ट्र): उस एरिया से आप भी आयी हैं।

Need to check presence of pesticide in Foodgrains and Vegetables

डा० प्रभा ठाकुर (राजस्थान): उपसभापति महोदय, फसल के दौरान फसल को कीड़ों से बचाने के लिए विभिन्न कीटनाशकों का उपयोग किया जाता है, अनाज हो या फल अथवा सब्जियाँ, सब